*स्वागत भाषण**

उषा थोरात

माननीय वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी, गवर्नर भारतीय रिज़र्व बैंक, डॉ. सुब्बा राव, संसद सदस्य श्री ए.एच. विश्वनाथ और श्री ध्रुव नारायण, कर्नाटक विधान सभा के सदस्य, मैसूर के मेयर श्री पुरुषोत्तम, बीआरबीएनएमपीएल तथा एसपीएनसीआइएल के निदेशक मंडलों के निदेशक, विशिष्ट अतिथियों एवं बीआरबीएनएमपीएल के स्टाफ सदस्य - मैसूर के इस पारंपरिक शहर में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

2. मुझे इस बात का गर्व है कि बीआरबीएनएमपीएल के परिसर में यहां बैंक नोट पेपर मिल के शिलान्यास समारोह के अवसर पर इस विशिष्ट सभा का स्वागत करने का मुझे अवसर मिला है। यह और भी महत्वपूर्ण है कि इस परियोजना का उद्घाटन भारतीय रिज़र्व बैंक के प्लेटिनम जुबिली वर्ष में किया जा रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक, बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआइएल की ओर से मैं आदरपूर्वक माननीय वित्त मंत्री महोदय का हार्दिक स्वागत करती हूँ जिन्होंने इस बैंक नोट पेपर मिल के शिलान्यास करने के हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया है। महोदय, यहां आज आपकी उपस्थित से हम अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। आज वास्वत में बैंक नोटों के उत्पादन के स्वदेशीकरण की यह घटना मील का एक पत्थर है और यहां आप की उपस्थिति इस स्वप्न को साकार करना सुनिश्चित करने में अपार शक्ति और प्रोत्साहन का एक स्रोत है। यहां पधारने के लिए हम आपको हार्दिक धन्यवाद देते हैं। हमारे लिए यह आपकी प्रतिबद्धता और समर्थन को दर्शाता है। हमें गर्व के साथ यह स्मरण करते हुए भी हर्ष हो रहा है कि 1980 के दशक के मध्य में जब आप वित्त मंत्री थे तब मैसूर और सलबनी में भारतीय रिज़र्व बैंक के नये नोट प्रिंटिंग प्रेसों के प्रस्ताव अनुमोदित किये गये थे। मैं यह कहना चाहती हूँ कि यह पहला अवसर है जब किसी वित्त मंत्री ने पहली बार बीआरबीएनएमपीएल का दौरा किया है।

* दिनांक 22 मार्च 2010 को मैसूर में सिक्यूरिटी पेपर मिल के शिलान्यास समारोह के अवसर पर श्रीमती उषा थोरात, उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक और अध्यक्ष बीरआरबीएनएमपीएल द्वारा दिया गया स्वागत भाषण।

3. गवर्नर डॉ. सुब्बा राव का स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है जिनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह परियोजना संभव नहीं हो सकती थी। मैं संसद सदस्यों, कर्नाटक विधान सभा के सदस्यों, मैसूर के मेयर, भारत सरकार और कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, एसपीएमसीआइएल और बीआरबीएनएमपीएल के निदेशकों, भारतीय रिज़र्व बैंक के मेरे सहयोगियों और बीआरबीएनएमपीएल के स्टाफ, अन्य गण्यमान्य अतिथियों और उन सभी का जिन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई है, का भी सहर्ष हार्दिक स्वागत करती हूँ।

4. यह बैंक नोट पेपर मिल बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआइएल का एक संयुक्त उद्यम है। सिक्योरिटी प्रिंटिंग एण्ड मिंटिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआइएल) भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्ववाली कंपनी है जो जनवरी 2006 में बनाई गयी थी और जिसने उन सभी प्रकार की सिक्योरिटी प्रिंटिंग और मिंटिंग गतिविधियों के निगमीकरण का प्रतिनिधित्व किया जो कि विभाग-वार की जा रही थीं। भारत में बैंक नोटों के उत्पादन का कार्य करने के लिए 3 फरवरी 1995 को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपने पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक संस्था के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) की स्थापना की गयी थी।

5. बीआरबीएनएमपीएल के प्रेस परिसर में इस पेपर मिल की स्थापना से कई लाभ हैं। पर्याप्त भूमि, मूलभूत संरचना के अलावा आवश्यकता से अधिक आवासीय क्वार्टर बीआरबीएनएमपीएल के परिसर में पहले से ही मौजूद हैं। कपास जो कि एक मूल कच्चा माल है वह आस-पास और कोयंबतूर के चारों ओर उपलब्ध है।

6. आगे बढ़ते हुए हमारा लक्ष्य वर्ष 2012 के अंतिम भाग तक 6,000 मीट्रिक टन क्षमता के साथ पहली लाइन शुरू करना है और फिर अंततः एक वर्ष या इतने ही समय में 12,000 मीट्रिक टन क्षमता का पूर्ण लक्ष्य हासिल करना है। अनुमानित लागत चुकौती (पे बैक) अवधि 4/5 साल है। केन्द्र, राज्य सरकार और अन्य संबंधितों के सहयोग से हमें विश्वास है कि हम मील के इस पत्थर को हासिल कर सकते हैं।

7. आज, कुछ साल पहले दैनिक 'द ट्रिब्यून'[1] को दिये गये एक साक्षात्कार में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री प्रणब मुखर्जी के आश्वासन को याद करना चाहूँगी। यह पूछे जाने पर कि हमारी (भारत की) शक्तियां क्या रही हैं, श्री मुखर्जी का उत्तर था :

> *'हमने औद्योगिक एवं मानव की एक विशाल बुनियादी संरचना निर्मित की है। हमारे पास तकनीकी और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से सबसे ज्यादा सक्षम कार्मिक हैं। हमारे पास विश्व में मानव प्रतिभा का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है। क्रय शक्ति क्षमता में भी हमारे पास पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।...'*

राष्ट्र की क्षमताओं के प्रति आपके विश्वास से हम प्रोत्साहित और प्रेरित हैं। महोदय, हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि यह मिल जिसकी आज आप आधारशिला रख रहे हैं वह आपकी आशाओं पर खरी उतरेगी। इन शब्दों के साथ मैं पुनः एक बार माननीय वित्त मंत्री और आप सभी का हार्दिक स्वागत करती हूँ और इस परियोजना की सफलता के लिए आप लोगों का आशीर्वाद चाहती हूँ।

[1] http://www.tribuneindia.com/50yrs/pranab.htm